तापमान
अधिकतम 32.3 डिग्री
न्यूनतम 8.6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

11 उप सिविल सर्जन ने अस्पताल का किया निरीक्षण

12 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति सम्मानित

खबर संक्षेप

फर्जी कागजात बनाकर गाड़ी बेचने का आरोपी काबू

सोनीपत। मुरथल थाना सोनीपत पुलिस ने फर्जी कागजात बनवाकर दोस्त की गाड़ी बेचने की वारदात में शामिल आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अफसर अली निवासी गाजियाबाद यूपी का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है। गांव कबीरपुर निवासी राजेश ने गत 20 सितंबर को पुलिस से शिकायत देकर केस दर्ज करवाया था।

किशोरी को भगाने का आरोपी गिरफ्तार, केस

सोनीपत। मुरथल थाना क्षेत्र में किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अजय निवासी सरस्वती खेड़ा गढ़ माजरा कुरुक्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं लड़की को नारी निकेतन में भेज दिया। जानकारी मिली है कि लड़की आरोपित के साथ रहना चाहती थी।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

खरखौदा। महिला से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित रविन्द्र झिंझोली का रहने वाला है। गत 13 जनवरी को एक महिला ने थाना खरखौदा में शिकायत दी थी कि आरोपी रविन्द्र ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस टीम के उप निरीक्षक बलगानंद ने महिला के मजिस्ट्रेट के सामने कथन अंकित करवाकर महिला विशेषज्ञ व लीगल ऐड से काउंसलिंग करवाई थी। उधर कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल आरोपी रविन्द्र को गिरफ्तार किया है।

शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांचा

सोनीपत। हिंदू कॉलेज की एनएसएस इकाइयों द्वारा श्रीराम कृष्ण साधना केंद्र, मुरथल में सात दिवसीय शिविर लगाया जा रहा है। शिविर के पांचवें दिन गांव में कलीनाथ बाबा की कुटिया में रक्तदान शिविर और फ्री हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। जिसके मुख्य अतिथि हिंदू ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन राजीव अग्रवाल रहे। रक्तदान शिविर रोटरी क्लब सोनीपत के सहयोग से लगा और फ्री हेल्थ चेकअप कैंप में पार्क निदान की टीम का सहयोग रहा। फ्री हेल्थ चेकअप कैंप में अलग-अलग विशेषज्ञों ने ग्रामीणों का फ्री चेकअप किया। स्त्री रोग विशेषज्ञ ने छात्र-छात्राओं को रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

रात्रि ठहराव : दोदवा पहुंचा प्रशासनिक अमला, ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

■ योजनाओं की जानकारी देने के लिए लगाए गए स्टॉल ■ सुबह उपायुक्त ने ग्रामीणों के साथ किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शुक्रवार को गोहाना क्षेत्र के गांव दोदवा में जिला प्रशासन द्वारा रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया। रात्रि ठहराव कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुन मौके पर समाधान किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा व डीसीपी रविन्द्र तोमर भी मौजूद रहे। उपायुक्त डॉ० मनोज कुमार ने ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कहा कि हरियाणा सरकार के सुशासन के उद्धेश्य में रात्रि ठहराव कार्यक्रम महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय उत्थान के ध्येय में यह एक परिवर्तनकारी प्रयास है जिसका उद्देश्य प्रभावी शासन को ग्रामीण लोगों के करीब लाना है। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा शुरू की गई रात्रि ठहराव कार्यक्रम की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार ने अंत्योदय की सोच पर आगे बढते हुए जो यह कार्यक्रम चलाया है इससे अब कोई भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा और अधिकारी लोगों के द्वार पर ही पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुलझा रहे है, जिसके भविष्य में सकारात्मक परिणाम हमारे सामने आएंगे।

■ उपायुक्त ने साइकिल चलाकर गांव का भ्रमण किया

सोनीपत। रात्रि ठहराव के उपरांत सुबह के समय गांव में साइकिल चलाते हुए उपायुक्त एवं अन्य।

इस दौरान उपायुक्त ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉल का निरीक्षण करने उपरान्त ग्रामीणों की दो दर्जन से ज्यादा शिकायतों की सुनवाई करते हुए उनके निवारण की दिशा में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

रात्रि ठहराव की अगली सुबह उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने स्कूल प्रांगण में योग क्रियाएं करते हुए लोगों को योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। शनिवार सुबह उपायुक्त ने साईकिल चलाकर गांव का भ्रमण किया इस दौरान उन्होंने तालाबों, खेल मैदान आदि का भ्रमण करते हुए गांव के लोगों से आह्वान किया कि वे अपने गांव को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें ताकि यह गांव दूसरे गांव के लिए भी उदाहरण बन सके।

रात्रि ठहराव के दौरान डीसीपी रविंद्र तोमर, एसडीएम सुभाष चंद्र, डीडीपीओ जितेंद्र कुमार, तहसीलदार जीवेंद्र कुमार, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता प्रशांत कौशिक तथा गांव की सरपंच सोनिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

इन विभागों के खिलाफ मिली शिकायतें

रात्रि ठहराव के दौरान पशुपालन विभाग से संबंधित 5, सहायक रोजगार कार्यालय से संबंधित 9, तहसील कार्यालय से संबंधित 31, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 15, परिवार पहचान पत्र से संबंधित 44, आधार कार्ड से संबंधित 35, राशन कार्ड व गैस कनेक्शन से संबंधित 24, चुनाव कार्यालय से संबंधित 12, समाज कल्याण से संबंधित 02 शिकायतें प्राप्त हुई। इसके अलावा कृषि विभाग, पंचायत विभाग, परिवहन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय सडक सुरक्षा, सहकारिता विभाग, से संबंधित विभाग व अन्य विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपने विभाग से संबंधित है सभी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया और बताया कि वह किस प्रकार है इन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

होली से पहले बसों और ट्रेनों में बढ़ने लगी भीड़, दिल्ली रूट पर लंबी लाइनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

होली को आने में कुछ ही दिन बाकी है। रंगों के इस त्यौहार को अपनों के साथ मनाने के लिए प्रवासी लोग अपने घरों की तरफ रुख करने लगे है। रों से लेकर बसों में यात्रियों की भीड़ देखने स्टेशन व बस परिसर में देखने को मिल रही है। बस स्टैंड के दिल्ली रूट पर भीड़ देखने को मिल रही है। यात्रियों को बसों के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा देने के लिए बेहतर प्रबंध किए जा रहे है। किसी भी रूट पर यात्रियों की संख्या बढ़ते ही बस को रवाना कर दिया जाता है।

बता दें कि जिले में औद्योगिक क्षेत्रों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं बड़ी संख्या में दूसरे प्रदेश के लोग कार्य करते है। आगामी दिनों में होली का रंगों का त्यौहार है। जिसे अपनों के बीच मनाने के लिए प्रवासी अब घरों को लौटने लगे हैं। ट्रेनों में वेटिंग लंबी होने से प्रवासियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल पा रहे। ऐसे में प्रवासी अब रोडवेज बसों का रुख करने लगे हैं। यही कारण है कि कई दिनों से बस अड्डे पर दिल्ली रूट पर जाने वाले प्रवासियों की संख्या बढ़ी है। दिल्ली रूट पर दिन भर भीड़ लगने लगी है। हालात यह हैं कि टिकट लेने के लिए बूथ पर लंबी लाइन लग रही है।

यात्रियों का कहना है कि उन्हें बसों के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली रूट पर हर घंटे बस रवाना की जा रही है। सोनीपत बस अड्डे से दिल्ली के लिए रोजाना 22 बसें जाती हैं। वहीं जयपुर, चंडीगढ़, आगरा जाने वाली बसें भी दिल्ली होकर ही जाती हैं। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की संख्या के हिसाब से बसों की संख्या भी बढ़ाई जाती है।

■ यात्रियों की मांग-रूटों पर बढ़ाई जाए बसों की संख्या

सोनीपत। बस परिसर में बसों का इंतजार करते हुए यात्री।

दिल्ली के लिए हर घंटे में एक बस

रंगों के त्योहार को अपनों के बीच मनाने के लिए लोग अपने घरों की तरफ रुख करने लगे है। जिसके चलते दिल्ली रूट पर यात्रियों की संख्या बढ़ी है। दिल्ली के लिए हर घंटे बस रवाना की जा रही है। अन्य रूटों पर भी यात्री संख्या बढ़ते ही बस को रवाना कर दिया जाता है। बस अड्डे पर आने वाले यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा देने का हर संभव प्रयास किया जाता है। ताकि यात्रा में कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

-कर्मबीर गहलावत, डीआई, रोडवेज डिपो, सोनीपत।

उत्तम नगर के व्यापारी ने जहर खाकर जान दी

■ मृतक के बेटे की शिकायत पर बैंक मैनेजर सहित दो पर केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

शहर में उत्तम नगर में रहने वाले व्यापारी ने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बैंक से ऋण लिया था। ऋण समय पर न चुकाने से बैंक द्वारा बोली लगाकर उसके मकान को बेच दिया गया। स्वजन का आरोप है कि बैंक मैनेजर ने गलत तरीके से नीलामी करके उनके मकान को बेच दिया। बेटे की शिकायत पर शहर थाना में बैंक मैनेजर समेत दो पर केस दर्ज किया गया।

ये था मामला

उत्तम नगर के गौरव ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ओम सिंह जींद रोड पर चौहान खाद बीज भंडार के नाम से दुकान चलाते थे। उनका काम बहुत अच्छा चल रहा था। कारोबार के लिए केनरा बैंक की गोहाना शाखा से 16 लाख रुपये का लोन लिया गया था। बाद में उनके काम को देखकर लोन की लिमिट को बढ़ाकर 24 लाख रुपये कर दी। वे अपने कारोबार को ठीक चला रहे थे और ठीक तरह से बैंक से लेन-देन कर रहे थे। एक दिन बैंक मैनेजर उनकी दुकान पर आया कहा कि तुम्हारी दुकान चालू नहीं है, जबकि दुकान चालू थी। वे बैंक के लगभग नौ लाख रुपये चुका चुके थे। बैंक द्वारा कार्रवाई करके उनके मकान की 27 लाख रुपये में नीलामी कर दी गई जबकि कीमत 50 लाख रुपये है। बैंक के मैनेजर बिजेंद्र शर्मा और पानीपत के पुनीत जैन ने उनके पिता को परेशान किया। इसके चलते उन्होंने जहरीला पदार्थ निगल लिया। स्वजन उनको बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल लेकर गए। वहां चिकित्सक ने उनको मृत घोषित कर दिया। गौरव की शिकायत पर बैंक मैनेजर बिजेंद्र शर्मा और पुनीत जैन के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया।

सफाई कर्मचारियों ने की नारेबाजी

सोनीपत। ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच संबंधित मूल निवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ सहयोग बली सेना ने शनिवार को 14 सेक्टर की मार्केट में इकट्ठा हुए। जहां से प्रदर्शन करते हुए विधायक निखिल मदान के कार्यालय पर पहुंचें और रोष प्रदर्शन किया। सफाई कर्मियों ने आरोप लगाया कि विधायक कार्यालय पर किसी ने भी उनका मांगपत्र नहीं लिया। विधायक कार्यालय से नाराज सफाई कर्मचारी प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के निवास स्थान पर नारे पहुंचे। वहां पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष के पीए ने सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सुना और उनका मांग पत्र लिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र चालू है उसमें आपकी मांगों को जोर देकर उठाया जाएगा। आपकी समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा।

हिस्ट्रीशीटर दीपक गुहणा हत्याकांड की जांच एसएयूजी करेगी

■ बदमाशों ने 27 फरवरी को ढाबे के बाहर मार दी थी गोली

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर मुरथल थाना क्षेत्र में ढाबे बाहर हिस्ट्रीशीटर दीपक गुहणा हत्या व उसके दोस्त मंदीप पर जानलेवा हमला करने के मामले में अब जांच बहालगढ़ थाना से स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट (एसएयूजी) को सौंप दी गई है। दीपक व साथी पर कुमासपुर स्थित ढाबे के बाहर गोलियां चलाई गई थी। एसएयूजी की तीन टीम मामले में सुराग जुटा रही है। हालांकि अब तक पुलिस की टीमें कोई सुराग नहीं लगा पाई है। गांव दकोहा जालंधर पंजाब निवासी प्रीत कमल सिंह ने गत 27 फरवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि वह एयर इंडिया में पायलेट के तौर पर कार्यरत है। गांव मुरथल निवासी कपिल आंतिल उनके दोस्त है। कपिल ने उनको एक मोबाइल नंबर भेजा था। जब वह दिल्ली के महिपालपुर में थे तो उन्होंने उस नंबर पर कॉल की थी। जिसके बाद बातचीत करने वाले युवक ने उन्हें दिल्ली में ही पीतमपुरा के पास बुलाया था। जब वह उनके पास पहुंचे तो कार में गांव गुहणा निवासी दीपक उर्फ भांजा व कपिल का चचेरा भाई मंदीप मिले थे। दिल्ली से चलकर वह कुमासपुर के पास वीर ढाबा के बाहर रुके थे। वहां पर 3-4 युवक कार में आए थे और दीपक पर गोलियां बरसा दी थी। मंदीप को भी गर्दन में गोली लगी थी। एक आरोपित बोल रहा था कि राहुल भूर्री अपना काम पूरा करता है। पुलिस ने उनके बयान पर राहुल भूर्री समेत अन्य पर मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में अभी तक हमलावरों का सुराग नहीं लग सका है। दीपक हत्याकांड की जांच अब स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट (एसएयूजी)-सेक्टर-7 की टीम को सौंपी गई है।

17 से शुरू होगी बाल वाटिका के 8वीं तक के विद्यार्थियों की परीक्षाएं, 22 तक होंगे पेपर

■ शिक्षकों ने छात्रों को सिलेबस रिवाइज कराना किया शुरू : बीईओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

बाल वाटिका से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की परीक्षाओं के लिए डेटशीट जारी कर दी है। हरियाणा शिक्षा निदेशालय के आदेश के बाद खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी स्कूलों में परीक्षा को लेकर तैयारी के आदेश दे दिए हैं । इसके बाद शिक्षकों ने सिलेबस को रिवाइज करवाना शुरू कर दिया है।

बाल वाटिका से 5वीं कक्षा के छात्रों की परीक्षा 17 मार्च को शुरू होकर 22 मार्च तक चलेंगी। इसके साथ ही कक्षा छठी से आठवीं तक की परीक्षाएं 10 मार्च से शुरू हो रही हैं और 24 मार्च तक चलेंगी। खंड शिक्षा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि बाल वाटिका से 5वीं कक्षा की परीक्षाएं लगातार होनी हैं। साथ ही छठी से आठवीं कक्षा की परीक्षाओं के बीच एक से 3 दिन तक की छुट्टियां दी गई हैं। परीक्षाओं को लेकर शिक्षा निदेशालय ने पत्र जारी किया है।

निर्देश दिए हैं कि वे वार्षिक परीक्षाओं को लेकर स्कूल स्तर पर तैयारियां पूरी कर लें। समय से सभी प्रबंध किए जाएं, ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्वक कराई जा सकें। इन मूल्यांकन परीक्षाओं का पूरा रिकॉर्ड भी बनाए रखना होगा। 17 मार्च को बाल वाटिका के विद्यार्थियों की इंग्लिश ओरल, पहली कक्षा इंग्लिश, दूसरी कक्षा मैथ, तीसरी कक्षा मैथ, चौथी इंग्लिश, पांचवीं के विद्यार्थियों का मैथ का पेपर होगा। 18 मार्च को बालवाटिका छुट्टी, पहली कक्षा मैथ, दूसरी हिंदी, तीसरी इंग्लिश, चौथी मैथ, पांचवीं इंग्लिश, 19 मार्च को बाल वाटिका हिंदी ओरल, पहली कक्षा छुट्टी, दूसरी हिंदी ओरल, तीसरी हिंदी, चौथी की छुट्टी, 5वीं की हिंदी, 20 मार्च बाल वाटिका छुट्टी, पहली की छुट्टी, दूसरी हिंदी ओरल, तीसरी हिंदी ओरल, चौथी ईवीएस, पांचवीं की छुट्टी रहेगी।

21 मार्च को बाल वाटिका छुट्टी, पहली कक्षा हिंदी, दूसरी इंग्लिश ओरल, तीसरी हिंदी ओरल, चौथी ईवीएस, पांचवीं की छुट्टी। खंड शिक्षा अधिकारी आजाद सिंह दहिया ने बताया कि शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है

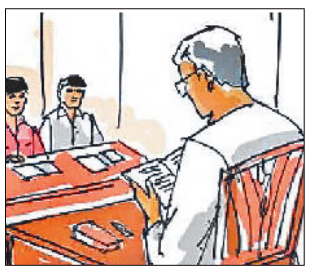

ये रहेगा परीक्षा का शेड्यूल

छठी की 10 मार्च को मैथ, सातवीं की साइंस, 8वीं की इंग्लिश, 13 को छठी की हिंदी, सातवीं की मैथ, आठवीं की साइंस, 17 को छठी की साइंस, सातवीं की सोशल साइंस, आठवीं की मैथ, 19 को छठी की इंग्लिश, 7वीं की हिंदी, 8वीं की सोशल साइंस, 21 मार्च को छठी की सोशल साइंस, 7वीं की इंग्लिश, 8वीं की हिंदी, 22 को छठी की संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, सातवीं की ड्राइंग, होम साइंस, 8वीं की ड्राइंग होम साइंस, 24 को छठी की ड्राइंग, सातवीं की संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, आठवीं की संस्कृत, पंजाबी, उर्दू की परीक्षा होगी।

पॉलिथीन के खिलाफ जागरूक कर बांटे कपड़े के थैले

सोनीपत। ब्रह्मनगर के रहने वाले अजय पांचाल और उनकी टीम ने शनिवार को महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं को कपड़े के थैले वितरित किए गए। इस दौरान महिलाओं को सिंगल यूज पॉलिथीन के खिलाफ जागरूक करते हुए बताया कि पॉलिथीन के क्या नकारात्मक प्रभाव होते हैं। इस दौरान घरों से पॉलिथीन भी एकत्रित किए गए। इस टीम में राजा, सन्नी, मनीष, आशीष, सीता, बालकिशन, नीरज आदि शामिल रहे। बता दें कि अजय पांचाल और उनकी टीम ने जिले को पॉलिथीन मुक्त करने का संकल्प लेकर अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत कई बार रेलवे लाइन के पास पड़े कचरे से पॉलिथीन इकट्ठा किए जा चुके हैं। अब शनिवार को महिलाओं को कपड़े के थैले वितरित किए गए हैं।

■ अजय पांचाल व उनकी टीम ने शनिवार को महिला दिवस पर चलाया अभियान

महिला विश्वविद्यालय में डिजिटल सहेली कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में हरियाणा नालेज कारपोरेशन लिमिटेड ने डिजिटल सहेली कार्यक्रम की शुरुआत की। यह कोर्स महिलाओं को 21वीं सदी की डिजिटल दुनिया से जोडने के लिए तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिलाओं को डिजिटल कौशल से सशक्त बनाने के लिए एक अनूठी पहल है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इस कोर्स की शुरुआत महिलाओं को आधुनिक तकनीक, डिजिटल उपकरणों और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के उपयोग की जानकारी देकर आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। कुलपति ने कहा कि यह कार्यक्रम महिलाओं को डिजिटल इंडिया की यात्रा में एक मजबूत भागीदार बनने का अवसर प्रदान करेगा।

■ महिलाओं को डिजिटल कौशल से सशक्त बनाने की अनूठी पहल : प्रो. सुदेश

तीन घंटे का आनलाइन कोर्स : हरियाणा नालेज कारपोरेशन लिमिटेड के महिला विश्वविद्यालय कैंपस के एक्यूटिव मैनेजर सुनील ने बताया कि डिजिटल सहेली तीन घंटे का आनलाइन कोर्स है जो सिर्फ महिलाओं के लिए है। महिला विश्वविद्यालय की आइटी सेल की निदेशक डॉ. सोनल बेनीवाल ने बताया कि डिजिटल सहेली का उद्देश्य महिलाओं को केवल तकनीकी शिक्षा देना नहीं बल्कि उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इस मौके पर महिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, प्राक्टर प्रो. इप्शिता बंसल, सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार मौजूद रहे।

गोहाना। डिजिटल सहेली' का औपचारिक शुरुआत करते महिला विवि के कुलपति प्रो. सुदेश, कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव व अन्य।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

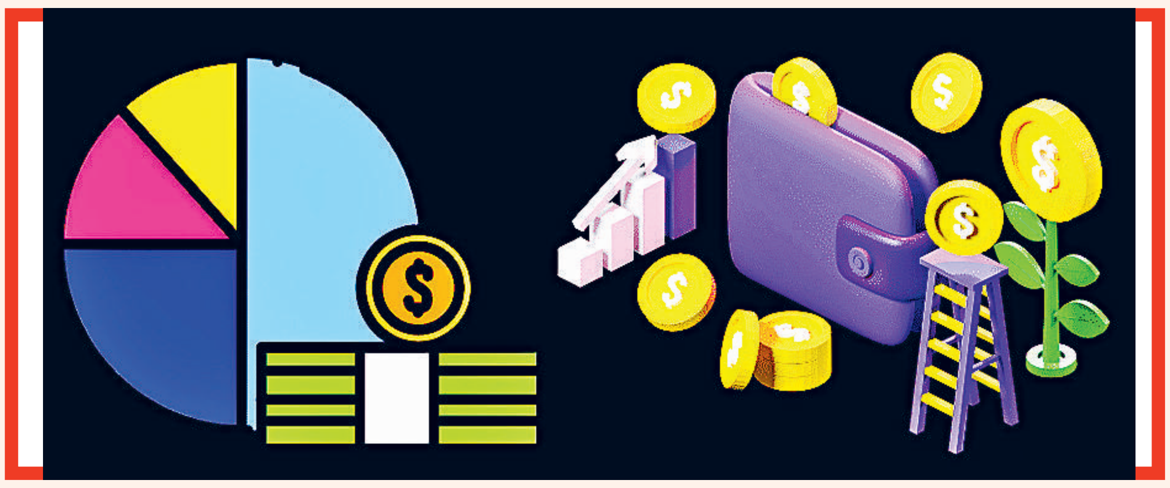

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नीव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

बचत
विनोद कौशिक

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़टि के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज़रूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

एनुअल स्पोर्ट्स मीट का शानदार आयोजन किया

सोनीपत। साउथ पॉइंट कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एनुअल स्पोर्ट्स मीट का शानदार आयोजन किया गया। मुख्यातिथि के रूप में साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री व एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने शिरकत की। एनुअल स्पोर्ट्स मीट में खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा से सबको चकित कर दिया।

मानसी सैनी ने प्रशिक्षण में किया प्रदेश का प्रतिनिधित्व

सोनीपत। हिंदू गर्ल्स कॉलेज की छात्रा मानसी सैनी ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। यह कार्यक्रम यूथ लेड एक्शन ऑन क्लाइमेट चेंज पर केंद्रित था, जो कि दिल्ली में 26 फरवरी से 2 मार्च तक आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मानसी सैनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षित किया, जो कि एक बड़े सम्मान की बात है।

परिप्रेक्ष्य विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत की पड़ोसी नीति के बदलते परिप्रेक्ष्य विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। संयोजन विभागध्यक्ष डॉ. रामपाल का रहा। बतौर मुख्य वक्ता बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक के पूर्व कुलपति प्रो. आरएस यादव ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों और कूटनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हुई हैं।

गांव रभड़ा में वार्षिक मेले में उमड़ी आस्था

गोहाना। रभड़ा गांव स्थित डेरा बाबा मजलिस नाथ के परिसर में शनिवार को वार्षिक मेला आयोजित हुआ। मेले में भारी तादाद में श्रद्धालु पहुंचे और डेरे में पूजा-अर्चना करके अपने परिवार व समाज कल्याण के लिए दुआएं मांगी। सानिध्य डेरा संचालक योगी बाबा चमन नाथ का रहा। उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन में घर व समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के साथ भगवान की भक्ति भी करें।

अपनी मंशा स्पष्ट करें सरकारः देवेन्द्र गौतम

सोनीपत। चुनाव आयुक्त हरियाणा द्वारा सोनीपत नगर निगम उपचुनाव में हुई वोटिंग के तहत बैयांपुर गांव के पांच बूथों पर हुई वोटिंग की काउंटिंग पर रोक लगा दी है। रोक लग जाने के बाद उपचुनाव में बड़े स्तर पर हुई धांधली का पर्दाफाश हुआ है। यह बात आप हरियाणा के सोनीपत लोकसभा अध्यक्ष देवेन्द्र गौतम ने ब्यान जारी करते हुए कही।

रंगोली प्रतियोगिता में कविता ने मारी बाजी

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय खरखौदा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसका आयोजन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता मान के द्वारा कराया गया। प्रतियोगिता में 12 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कविता बीकॉम तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान प्रीति बीए तृतीय वर्ष तथा तृतीय स्थान साधना बीए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। विजेताओं को बधाई दी।

शिक्षा में सावित्रीबाई फुले के योगदान को किया याद

खरखौदा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सावित्री बाई फुले सेवा समिति सदस्यों ने माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान महिलाओं के उत्थान व शिक्षा में उनके योगदान को याद किया गया। वहीं समाज में महिला शिक्षा व सशक्तिकरण में उनकी भूमिका पर विचार साझा किए।

समाज के विकास के लिए लैंगिक समानता जरूरी

गोहाना। डीबीएम स्पेशल कॉलेज ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए एक जीवंत और सशक्त समारोह का आयोजन किया, जिसमें दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का सम्मान किया गया। समारोह के लिए मार्गदर्शन संस्थान के एमडी विकास मलिक का रहा।कॉलेज इस कार्यक्रम को एक प्रमुख परंपरा बनाने के लिए तत्पर है।

अभियान की शुरुआत विभाग की तरफ से 17 मार्च को की जाएगी

गर्भवती महिला और बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए चलेगा टीकाकरण अभियान

विभाग ने अभियान को लेकर सर्वे कर प्लान को किया तैयार

विभाग के उच्च अधिकारियों के नेतृत्व में सीएचसी व पीएचसी से चिकित्सा अधिकारियों की बैठक बुलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला स्वास्थ्य विभाग जिले में गर्भवती महिलाओं व बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए स्पेशल टीकाकरण अभियान चलायेगा। अभियान की शुरुआत विभाग की तरफ से 17 मार्च को की जायेगी। विभाग की तरफ से अभियान को लेकर सर्वे करके प्लान को तैयार किया गया है। विभाग के उच्च अधिकारियों के नेतृत्व में सीएचसी व पीएचसी से चिकित्सा अधिकारियों की बैठक बुलाई है। ताकि कार्यक्रम को ठीक से आला जामा पहनाया जा सके।

बता दें कि गर्भवती व बच्चों को कई जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण अभियान चलाया जाता है। जागरूकता के अभाव में काफी गर्भवती व बच्चों को जरूरी टीके नहीं लग पाते। इससे वह खसरा, हेपेटाइटिस, रोटा वायरस, रूबेला, काली खांसी जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। तमाम गर्भवती व शिशुओं की मृत्यु तक हो जाती है। इसे रोकने के लिए माइक्रो प्लान बनाकर टीकाकरण सर्वे कराया जाएगा। जिले में 20 हजार बच्चों के टीकाकरण कर रखा अभियानः मिली जानकारी के अनुसार अभियान के तहत जिले में लगभग 20 हजार बच्चों का टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। 100 फीसदी लक्ष्य पूरा करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मंथन किया जाएगा। 17 मार्च से शुरू होने वाले अभियान के लिए टीकाकरण सभी स्वास्थ्य अधिकारी अलग-अलग बूथों का निरीक्षण करेंगे। इसके लिए निजी अस्पतालों और समाज सेवी संस्थाओं से भी सहयोग मांगा जाएगा। जिससे कोई भी बच्चा बिना टीकाकरण के न रहे।

गन्नौर। उप सिविल सर्जन डा. आशा सहरावत उपमंडल नागरिक अस्पताल का निरीक्षण करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

माइक्रो प्लान बेहतर होगा

नियमित टीकाकरण सरकार का बहुत ही अहम कार्यक्रम है। कोरोना काल में यह कार्यक्रम प्रभावित हुआ। सरकार का अब इस पर विशेष ध्यान है। हमें ऐसा माइक्रो प्लान तैयार करना होगा, जिसमें सब कुछ स्पष्ट रहे। मसलन, बच्चों व गर्भवतियों को टीके लगने हैं। कौन-कौन से टीके लगने हैं, कितने सत्र आयोजित होंगे, वैक्सीन की उपलब्धता केंद्र पर कैसे होगी आदि। माइक्रो प्लान बेहतर होगा तो टीकाकरण कार्यक्रम भी अच्छे से चलेगा। *डा. नीरज यादव, जिला नोडल अधिकारी।*

डिप्टी सीएमओ ने किया अस्पताल का निरीक्षण

गन्नौर। उप सिविल सर्जन, परिवार कल्याण व मलेरिया डा. आशा सहरावत ने शनिवार को उपमंडल नागरिक अस्पताल गन्नौर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रसूति विभाग में गर्भवती महिलाओं को प्रसव के तुरंत बाद कापर टी लगाने की काउंसलिंग नहीं करवाई जा रही थी। इस पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अस्पताल में कार्यरत स्टाफ नर्सों की ट्रेनिंग में कमी पाई गई, जिसके लिए उन्हें जल्द से जल्द प्रशिक्षण लेने के आदेश दिए। उन्होंने पाया कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक अस्पताल में कुल 726 डिलीवरी हुईं, लेकिन केवल 90 महिलाओं को गर्भनिरोधक उपकरण लगाया जो असंतोषजनक पाया गया। उन्होंने इसे बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, अस्पताल में सेल्फ केयर किट और फैमिली प्लानिंग कार्नर बनाने के भी निर्देश दिए। डा. सहरावत ने परिवार कल्याण से संबंधित सामग्री की उपलब्धता का भी निरीक्षण किया उनकी समय पर डिमांड सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान डेंगू और मलेरिया की रोकथाम को लेकर एमपीएचडब्लू को निर्देश दिया कि वे अपने कार्यों की अलग-अलग रिपोर्ट तैयार करें।

राई। सम्मेलन के समापन परट्रस्टी उत्सव गुप्ता, संस्थान की निदेशक ध्वनि गुप्ता, चेयरमैन नानक गुप्ता संस्थान के शिक्षकों के साथ। *फोटो :हरिभूमि*

विचारों के आदान-प्रदान के साथ सम्मेलन संपन्न

- रेणु विद्या मंदिर बहालगढ़ द्वारा तीन दिवसीय आयोजित हुआ राष्ट्रीय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

रेणु विद्या मंदिर बहालगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन दिव्यांगजन और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने, विचारों के आदान-प्रदान, महत्वपूर्ण चर्चाओं के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुराटफ ग्लास इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक एवं रेणु विद्या मंदिर के ट्रस्टी उत्सव गुप्ता, संस्थान की निदेशक ध्वनि गुप्ता, चेयरमैन नानक गुप्ता, डिप्टी डायरेक्टर ऋचा गुप्ता, प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार कुल्हाड़े नए संयुक्त रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की।

तीसरे दिन विभिन्न विद्वानों, विशेषज्ञों और समाजसेवियों ने अपने विचार व्यक्त किए। चर्चा के दौरान दिव्यांगजनों के मानसिक स्वास्थ्य, समावेशन, शिक्षा, रोजगार और उनके समग्र विकास पर विशेष जोर दिया गया। डॉ. एसके डायरेक्टर एनसीडीएस इग्नू नई दिल्ली एवं डॉ. एडी पासवान डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल सिरतार रोहतक ने अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा प्रेरणादायक संदेश, दिव्यांगजनों के जीवन में सुधार हेतु नई योजनाओं पर विचार, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े आधुनिक समाधान और सुझाव, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं द्वारा प्रायोगिक अनुभवों की प्रस्तुति दी गई। उत्सव गुप्ता ने कहा कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। ऐसे सम्मेलन जागरूकता बढ़ाने और ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। स्कूल के शिक्षकों ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

ट्रांसफार्मर से नीचे लटकते तार व फ्यूज दे रहे हादसों को न्योता

- स्थानीय लोग बोले- बिजली निगम के अधिकारी शायद किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

नगरपालिका रोड स्थित तारा मैरेज हाल के कोने पर लगे ट्रांसफार्मर से लटकते तार हादसे को न्यौता दे रही हैं। बिजली निगम के अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम के अधिकारी शायद किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं। श्रीराम मार्केट के प्रधान संदीप सिंघल ने बताया कि सड़क किनारे कोने पर लगे ट्रांसफार्मर बिजली की तारों से चिंगारी निकलती रहती हैं, जबकि फ्यूज भी काफी नीचे लगे हैं जो दुर्घटना की आशंका को जन्म दे रही है। ट्रांसफार्मर के पास से प्रतिदिन काफी संख्या में लोग गुजरते हैं। जिस कारण से दुर्घटना का डर बना रहता है।

मैरेज हाल में भी शादी समारोह में आने वाले लोगों को डर के साथ गुजरना पड़ता है। चिंगारी निकलने से वहां से गुजरने वाले जानवरों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम मार्केट के सभी दुकानदार सोमवार को बिजली निगम के एसडीओ को इस संबंध में शिकायत भी देंगे, ताकि जल्द से जल्द तारों व फ्यूज को ऊंचे स्थान पर शिफ्ट करवाया जा सके।

राज्य गीत के लॉंच से पहले क्रेडिट की मांग

सोनीपत। हरियाणा के राज्य गीत जय, जय, जय मेरा हरियाणा के लॉन्च होने से पहले ही एक विवाद सामने आया है। सोनीपत की रहने वाली अभिनेत्री और लेखिका गीतू पूरी ने दावा किया है कि जय, जय, जय मेरा हरियाणा गीत उनके लिखे गीत के लिरिक्स से मिलता जुलता है। उनका गाना काफी पहले स्टेज एप पर रिलीज हो चुका है। गीतू ने कहा कि प्रदेश का अपना गीत लॉंच होना गर्व का विषय है, लेकिन उन्हें भी गाने का क्रेडिट मिलना चाहिये।

सेक्टर-23 निवासी गीतू परी का कहना है कि 29 जनवरी 2024 को उन्होंने जय-जय मेरा हरियाणा शीर्षक से गीत लिखा था, जिसके बोल हैं...हरि का प्यारा हरियाणा, उरै दूध दही का खाणा। प्रदेशों में प्रदेश हरियाणा, या पावन धरती वेदों की, जय-जय मेरा हरियाणा। उन्होंने कहा कि यह गीत हरियाणा दिवस पर स्टेज एप पर रिलीज हो चुका है। अब जय-जय-जय मेरा हरियाणा शीर्षक से राज्य गीत लॉन्च किया गया है।

सड़क के गड्ढे बन रहे परेशानी

- पिपली गांव में सड़क पर लगातार पानी भरने से मार्ग टूट रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

पिपली गांव में सड़क मार्ग पर लगातार पानी भरने के कारण मार्ग टूट रहा था और जगह जगह पर गड्ढे बने हुए थे। इस बारे में एसडीएम डॉ निर्मल नागर ने खंड विकास पंचायती अधिकारी, ग्राम सचिव व सरपंच को भी कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए थे। लेकिन इसके बाद भी जो मकान मालिक है वे बाज नहीं आ रहे थे और लगातार खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी आस्था गर्ग के निर्देशों पर ग्राम सचिव की मौजूदगी में पीपली गांव में नालों की सफाई कराई गई और ग्रामीणों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। पिछले करीब तीन चार सालों से पीपली गांव के सड़क मार्ग के हालात काफी खराब हैं। मार्ग पर रोजाना हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं लेकिन ग्रामीणों का घरों का पानी सड़क पर आने से सड़क टूट रही है और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। सड़क टूटने के कारण मार्ग पर जाम भी लग रहा है। जिससे लोगों को खासी दिक्कत आ रही है। यह मार्ग दिल्ली जाने वाला मुख्य मार्ग है जहां पर रोजाना सैकड़ो कर्मचारी ड्यूटी के लिए जाते हैं। मार्ग की दुर्दशा के कारण वे देरी से पहुंचते हैं। इसी तरह लौटते वक्त भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खरखौदा। जेसीबी से मार्ग के किनारे बने नाले की सफाई करते। *फोटो :हरिभूमि*

सोनीपत। बस को रवाना करते भाजपा नेता तरुण देवीदास साथ में अन्य।

श्रद्धालुओं का समूह रवाना

सोनीपत। श्याम मित्र मंडल सिक्का कॉलोनी के तत्वावधान में भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता तरुण देवीदास द्वारा खाटू श्याम दर्शन हेतु श्रद्धालुओं के एक समूह को बस द्वारा रवाना किया गया। इस अवसर पर बस की रवानगी से पहले श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम के जयकारे लगाए और नारियल फोड़कर भगवान श्री खाटू श्याम से आशीर्वाद लिया। बस को सिक्का कॉलोनी स्थित श्री हनुमान मंदिर से रवाना किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता तरुण देवीदास ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल श्रद्धालुओं को श्याम दरबार के दर्शन कराना है, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना भी है। इस अवसर पर आचार्य विशाल कपिल, पार्षद ममता लूथरा, संजय खन्ना, जोगिंदर कथूरिया मौजूद रहे।

निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

- वार्ड के लोगों की समस्या का समाधान प्राथमिकता : पुनीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

नगर निगम के वार्ड नंबर 8 में 17 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से चल रहे विकास कार्यों का भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद ने मौके पर पहुंच कर निर्माण कार्य में लगाई जा रही सामग्री की जांच की और ठेकेदार को उनके वार्ड में बेहतर गुणवत्ता के साथ कार्य करने के लिए बोला। पुनीत राई ने कहा कि उनका प्रयास है कि वार्ड में जो भी काम हो बेहतर गुणवत्ता के साथ करवाया जाए। लोगों की समस्या का समाधान और काम करवाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अपने वार्ड में उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर बहुत सारे काम करवाए हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार का भी आभार व्यक्त किया कि जब भी लोगों की मांग को उन्होंने उठाया है तो मुख्यमंत्री ने स्वीकार करते हुए उनके वार्ड में काम शुरू करवाया है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई के साथ जोगी राम त्यागी, राकेश कौशिक, राकेश त्यागी, नरेश पांचाल, सतीश वाल्मीकि आदि लोग मौजूद रहे।

राई । भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद जांच करते हुए । *फोटो :हरिभूमि*

हैप्पी चाइल्ड कॉलेज में पहुंचीं मुख्यातिथि निखिता मदान का स्वागत करते स्टाफ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सुंदर प्रस्तुति

सोनीपत। हैप्पी चाइल्ड नर्सिंग कॉलेज में शनिवार को फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी की थीम मेराकी दा एसेंस ऑफ योरसेल्फ रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक निखिल मदान की पत्नी निखिता मदान रही। कार्यक्रम की शुभारंभ मुख्य अतिथि निखिता मदान के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा की गई। मुख्य अतिथि का स्वागत संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र बाल्यान, कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. श्यामला, प्राचार्या सुदेश बाल्यान व निदेशिका तमन्ना निझावन ने पुष्प गुच्छ भेंट करके किया। इसके बाद तो कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा हरियाणवी, पंजाबी व अंग्रेजी गानों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि ने बीएससी व जीएनएम के टापर्स को पारितोषिक देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

धर्म-कर्म एकादशी व्रत जीवन के पापों से छुटकारा पाने के लिए शुभ

आमलकी एकादशी व्रत 10 को, ब्रह्म मुहूर्त के शोभन योग में विष्णु जी की पूजा करना शुभ

- एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं और 68 मिनट की भद्रा भी लगेगी
- व्रत पारण 11 मार्च को सुबह 6 :35 से 8 :13 के बीच किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भगवान विष्णु व मां महालक्ष्मी जी को अतिप्रिय आमलिका एकादशी 10 मार्च (सोमवार) को है। सनातन धर्म में एकादशी व्रत को जीवन के पापों से छुटकारा पाने के लिए शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि लक्ष्मी चालीसा का पाठ करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक शास्त्री ने बताया कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को आमलकी एकादशी या आंवला एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है और आंवले का भोग अर्पित किया जाता है। इस वर्ष आमलकी एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं और 68 मिनट की भद्रा भी लगेगी। उन्होंने बताया कि फाल्गुन शुक्ल एकादशी तिथि का आरंभ 9 मार्च को सुबह 7:45 बजे होगा और इसका समापन 10 मार्च को सुबह 7:44 बजे होगा।

इस कारण इस बार आमलकी एकादशी व्रत 10 मार्च सोमवार को रखा जाएगा. जिनमें सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6:36 बजे से लेकर देर रात 12:51 बजे तक रहेगा। शोभन योग प्रातः आरंभ होकर दोपहर 1:57 बजे तक रहेगा और पुष्य नक्षत्र पूरे दिन प्रभावी रहेगा और देर रात 12:51 बजे समाप्त होगा। पंडित दीपक शास्त्री ने बताया कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में पूजा करना शुभ माना जाता है, क्योंकि इस समय शोभन योग भी रहेगा। इस दौरान व्रत पारण 11 मार्च को सुबह 6:35 बजे से 8:13 बजे के बीच किया जाएगा। द्वादशी तिथि का समापन उसी दिन सबह 8:13 बजे होगा।

पूजा विधि में ये करना चाहिए

पंडित दीपक शास्त्री ने बताया कि प्रातः स्नान कर पीले वस्त्र धारण करें, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें, घी का दीप जलाकर अभिषेक करें और पीले फूल अर्पित करें, तुलसी पत्र व पंचामृत का भोग लगाए, आमलकी एकादशी की कथा पढ़ें और विष्णु मंत्रों का जाप करें, आरती करें और पंचामृत बाटें, चावल का सेवन न करें और अगले दिन व्रत पारण करें।

सोनीपत। विजेता छात्रा आरती के साथ प्राचार्या एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

आरती ने जीता ब्रॉंज मेडल

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय की छात्रा आरती ने 38वीं नेशनल गेम्स लॉन बॉल खेल में ब्रॉज मेडल हासिल किया। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्या गीता एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने खिलाड़ी का स्वागत फूल माला और मिठाई खिलाकर किया। ये गेम्स हवलदानी उत्तराखंड में 29 जनवरी से 9 फरवरी तक लॉन बॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित कराई गयी। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका सुमन ने भी छात्रा को बधाई देते उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिलाओं की भागीदारी के बिना सामाजिक और आर्थिक विकास की कल्पना अधूरी: रेणु श्योराण

सोनीपत। इंडियन मॉडर्न स्कूल में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देती बच्चियां।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिलेभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूलों और कॉलेजों में कार्यक्रम की धूम रही। कहीं प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया तो कही महिलाओं को सम्मानित किया गया। महिलाओं को उनके अधिकारों की भी जानकारी दी गई। कई स्कूलों में महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

इंडियन मॉडर्न स्कूल में महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह गाहल्याण की अध्यक्षता में स्कूल समिती द्वारा शिक्षिका, अभिभावक एवं छात्राओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके तहत भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ, "नारी शक्ति-एक नईदिशा" आदि विषय पर विशेष पोस्टर प्रतियोगिता रखी गई। डॉ. राकेश कालरा मनोवैज्ञानिक ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की।

प्रबंधक नीलम व उप प्रधानाचार्या रेणु श्योराण ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना सामाजिक और आर्थिक विकास की कल्पना अधूरी है।

हर क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

सोनीपत। हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में विशेष कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर रितु गोयल, प्रोफेसर आयुषी अग्रवाल और प्रोफेसर भावना मित्तल द्वारा किया गया। महिला दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में प्रिंसिपल डॉ नवीन कुमार मलिक ने कहा कि आज के समय में जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। इस आयोजन में महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेलों और गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर प्रोफेसर बिंदिया छाबड़ा, प्रोफेसर अनिला नशीर, डॉ. प्रीति मल्होत्रा, डॉ. चेरी दहिया, ममता गुप्ता, सिमरन भट्टी, सुमन वाधवा आदि मौजूद रहे।

अध्यापिकाओं को महिला दिवस की बधाई दी

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में कार्यक्रम में स्कूल कॉर्डिनेटर्स ने प्राचार्या डॉ. किरण दलाल द्वारा लिखी गई पुस्तक इनक्विजिटिव माइंड्स की सराहना की, जो विकास के लिए सफलता के सूत्रों पर जोर देती है और महिला सशक्तिकरण का समर्थन करती है। उन्होंने सभी अध्यापिकाओं को महिला दिवस की बधाई दी और कहा आज के युग में महिला किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है चाहे वो सैनिक बनकर देश की सेवा हो या डॉक्टर और जज बनकर। उन्होंने सभी अध्यापिकाओं से अपने हर काम में रुचि लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

ज्ञान गंगा ग्लोबल में महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया गया, जिसमें स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की प्रभावी भूमिका की सराहना की गई। इससे पहले विद्यालय के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन व स्कूल की प्राचार्या गीता चोपड़ा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर नीरजा, महक व गीता राणा, श्वेता, नमिता, संगीता, रेखा जैन, मधु, मीनाक्षी, मोनिका, बीना, कुसुम, ज्योति, सपना, सोनिया मदान, ज्योति, निशा, सीमा रानी, पारुल, कावेरी, पीटीआई राखी आदि मौजूद रहे।

पुरुषों से ज्यादा मेहनत करती हैं महिलाएं

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ गोहाना रोड स्कूल में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उपस्थित जनों को हंसने पर मजबूर कर दिया। विद्यालय अध्यक्ष नीरज शर्मा ने सभी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई दी और उनके अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज की नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है बल्कि पुरुषों से ज्यादा मेहनत करती हैं। विद्यालय निदेशिका रीमा शर्मा ने भी सबकी प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी महिलाओं को अपनी व्यस्त दिनचर्या में से अपने लिए समय जरूर निकालना चाहिए तथा अपने सारे शौक पूरे करने चाहिए। विद्यालय प्रभारी अंजू चौहान और मीनू शर्मा ने भी संबोधित किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज कालेज में कार्यक्रम आयोजित कर नारी सशक्तिरण पर विशेष रूप से बल दिया गया। संस्थाह के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर बल दिया। समारोह का शुभारंभ आमंत्रित मुख्य वक्ता के रूप में डा. शिखा खुराना और प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने दीप प्रज्वलित करते हुए किया। मुख्य अतिथि डॉ. शिखा खुराना ने अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मंजुला सपह, लेफ्टिनेंट प्रियंका, आस्था बत्रा, मीतू मनोचा, डॉ. सुनीता धवन और डॉ. किरण कपूर सहित कई शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

अध्यापिकाओं ने प्रेरणादायक कविताएं सुनाई

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूलमें सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें अध्यापिकाओं ने अपनी प्रस्तुति दी। विभिन्न गतिविधियों के बीच अध्यापिकाओं ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेरणादायक कविताएं सुनाई। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। साउथ पॉइंट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रत्येक व्यक्ति को प्रण लेना चाहिए कि वह अपनी बेटियों को अच्छी शिक्षा दिलाएंगे, ताकि उसकी बेटी एक दिन समाज व देश का नाम रोशन कर सके। मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा व कार्यकारी अधिकारी डॉ. ममता सचदेवा ने कहा कि आज महिलाएं डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट, सैनिक, शिक्षा, खेल व राजनीति के क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं।

लैंगिक समानता को लेकर निकाली रैली प्राचार्य ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय महिला प्रकोष्ठ द्वारा रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकार और लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. राजवंती धनखड़, डॉ वंदना नासा, डॉ. मंजीत, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. अमित, डॉ. शर्मिला आदि स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कुछ माताओं ने योगा सिखाया तो कुछ ने फिटनेस टिप्स दिए, गणित की ट्रिक बताई

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी स्कूल में आयोजित 'मांएंटर' कार्यक्रम के जरिये बालक के जीवन में माँ की भूमिका दिखाई गई। कार्यक्रम में मां और बच्चों के लिए रैंपवॉक, टैलेंट शो, नृत्य, अभिनय तथा गायन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। कुछ माताओं ने अबेकस और गणित की ट्रिक बताई वहीं कुछ माताओं ने योगा सिखाया तो कुछ ने फिटनेस टिप्स दिए। विद्यालय के अध्यक्ष नीरज शर्मा, डायरेक्टर रीमा शर्मा तथा प्रधानाचार्या चंचल शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता माताओं तथा बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

छात्रों ने नृत्य प्रस्तुति और नाटक के माध्यम से महिलाओं की शक्ति और साहस को प्रदर्शित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गेटवे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी वूमेन आउटरीच सेल ने सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए– समानता, अधिकार, सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि पूर्व आईपीएस डॉ. सुमन मंजरी ने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर वक्तव्य दिया।

गेटवे एजुकेशन के महानिदेशक डॉ. (कर्नल) एमिक गर्ग ने लैंगिक समानता पर अपने विचार साझा किए और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया। वहीं, गेटवे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ. विनय सिंघल ने शिक्षा में समावेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अमिता गांधी ने सभी का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर छात्रों ने नृत्य प्रस्तुति और नाटक के माध्यम से महिलाओं की शक्ति और साहस को प्रदर्शित किया। इसके साथ ही, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सोनीपत। गेटवे कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथि साथ में कॉलेज स्टाफ।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान महिला श्रद्धालुओं के साथ पूर्व मंत्री कविता जैन।

महिला सशक्तिकरण की जिम्मेदारी महिलाओं को होगी उठानी : जैन

सोनीपत। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने आवश्यकता जताई कि महिला सशक्तिकरण की जिम्मेदारी महिलाओं को स्वयं उठानी होगी। इसके लिए महिलाओं को एकजुटता के साथ प्रयास करने होंगे। कविता जैन शनिवार को जटवाड़ा सिथत स्वास्तिक कान्वेंट स्कूल में उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित कर रही थी, उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में कुछ सीमा तक लोगों की मानसिकता को परिवर्तित करने की आवश्यकता महसूस होती है। काठ मंडी सिथत भरतपुरी में महिला दिवस के अवसर पर परमेश्वरी देवी के नेतृत्व में महिलाओं द्वारा श्याम ध्वज यात्रा निकाली गई। सभी महिलाओं ने खाटूश्याम बाबा के चरणों में अपने ध्वज अर्पित किये।

40 महिलाओं को सुयोग्य संतान निर्मात्री का सम्मान प्रदान किया

सोनीपत। आर्यवीर दल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। आर्यवीर दल सोनीपत द्वारा श्रीश्याम पार्क सेक्टर 12 में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विदुषी राजगुलाटी ने नारी को उत्पीड़न से बचाने, सुशिक्षित करने में महर्षि दयानंद के योगदान की चर्चा की। आचार्या दीक्षा ने नारी की महिमा का वर्णन वेदों के आधार पर किया। कार्यक्रम में लगमग 40 महिलाओ को सुयोग्य संतान निर्मात्री का सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें स्वसंतानों को समाज सेवा में प्रेरित करने हेतु किया गया। सचिव दीपक आर्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुमनबाला, मंजु आर्या, रोहिणी आर्या, अनुष्का आर्या, राज रहेजा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी बहनें पीछे न छूट जाएं

सोनीपत। ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। मुख्यातिथि न्यायमूर्ति रंजना पी. देसाई, पूर्व न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और अध्यक्ष, भारतीय प्रेस परिषद ने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करे। सुप्रीम कोर्ट, मैं कह सकती हूं कि मैं एक बार उस संस्था का हिस्सा थी, ऐसे कई फैसले हैं जिन्होंने महिलाओं के समानता के अधिकार को प्रभावी ढंग से सामने लाया है, ऐसे फैसले जो महिलाओं और फिर महिलाओं के समानता के अधिकार जैसे कई कानून हैं। इसलिए, एक मजबूत कानूनी पक्ष है जो महिलाओं को समानता के अपने अधिकार को लागू करने में मदद कर सकता है। हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि भारत में महिलाएं समाज द्वारा लगाए गए इन प्रतिबंधों का शिकार थीं। ये प्रतिबंध लंबे सांस्कृतिक व्याख्या का परिणाम थे।

सोनीपत। ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथिगण एवं अन्य।

शिक्षा की कमी ने उनकी निर्भरता बढ़ाई

शिक्षा की कमी ने उनकी निर्भरता को और बढ़ा दिया। आज हमारे पास सभी क्षेत्रों में महिलाएं हैं: न्यायाधीश और वकील, उद्यमी, मुख्यमंत्री, जल्द ही पहली भारतीय महिला सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश और यहां तक कि अंतरिक्ष यात्री भी। हमारे पास सभी दक्षिण एशियाई देशों में महिला प्रधान मंत्री रही हैं। लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी बहनें पीछे न छूट जाएं और यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि उन्हें भी पहुंच मिले। उद्घाटन सत्र में "समानता, मुक्ति और सशक्तिकरण" विषय पर उद्घाटन भाषण शालू जिंदल, अध्यक्ष, जिंदल फाउंडेशन द्वारा दिया गया। इस मौके पर क्रिस्टियाना ओचोआ, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति प्रो. (डॉ.) सी. राज कुमार, इनमें राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, डॉ. फौजिया खान, रेखा शर्मा और डॉ. सस्मित पात्रा आदि मौजूद रहे।

छात्रों व शिक्षकों को सम्मानित किया

सोनीपत। शंभूदयाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन : इस अवसर पर कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में कॉलेज की प्रमुख शिक्षिकाओं और छात्रों ने महिलाओं के अधिकारों और उनके योगदान के बारे में विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं के लिए एक विशेष सम्मांन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

गोमाताओं की सेवा कर मनाया जन्मदिन

सोनीपत। विश्व महिला दिवस के अवसर पर अध्यापिका गीता ने अपना जन्मदिन गौमाताओं की सेवा करके मनाया। गीता हिंदी अध्यापिका ने कामी रोड पर स्थित गौशाला में गौमाताओं को 31 कटे हरा चारा व 5 किलो गुड़ खिलाकर जन्म दिवस मनाया। दिलबाग सिंह हिंदी प्राध्यापक ने बताया कि महिलाओं के लिए महिला दिवस मनाना बहुत ही अच्छा उदाहरण है। पूर्ण भारतवर्ष में सरकार व सामाजिक संस्थाएं महिलाओं को सम्मानित करती हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

एसआरके स्किल्स सेंटर पर रक्तदान शिविर आज

सोनीपत। गन्नौर में एसआरके स्किल्स सेंटर पर रविवार नौ मार्च रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस शिविर में रोटरी ब्लड बैंक की टीम रक्तदान का कार्यभार संभालेगी। सेंटर संचालक जोगिंदर राजपूत ने शनिवार को बताया कि रक्तदान करने से व्यक्ति में कोई कमी नहीं होती है, बल्कि यह एक महादान है जो जरूरतमंदों की जान बचाने में मदद मिलती है।

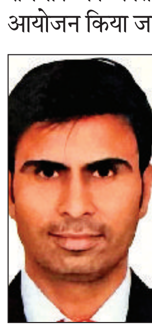

कमाएं पुण्य

उन्होंने सभी से रक्तदान करने की अपील की और कहा कि यह एक समाजिक जिम्मेदारी है, जिसे हमें निभाना चाहिए। यह शिविर समाज में रक्त की कमी को पूरा करने और जरूरतमंदों की मदद के लिए महत्वपूर्ण कदम है। सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से योगदान दें और रक्तदान कर पुण्य कमाएं।

एनएसएस यूनिट के रक्तदान शिविर में 116 ने कमाया पुण्य

विधायक ने किया शुभारंभ

गन्नौर। रक्तदान शिवर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते विधायक देवेंद्र कादियान साथ में कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनोज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

जैन गर्ल्स कॉलेज गनौर की एनएसएस यूनिट शिविर के पाँचवें दिन गनौर फ्लाईऑवर के नीचे रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान व जैन कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने किया। शिवर में 116 ने शुभेच्छा से रक्तदान किया।

विधायक देवेंद्र कादियान ने शिविर के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन करने पर सराहना की। कादियान ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। रक्तदान कर हम जिन्दगी बचा सकते हैं। रक्तदान के समय हमें यह अनुभूति होती है कि हम स्वयं अपने लिये नहीं वरन अन्य के लिये भी जी रहे हैं।

मनुष्य को रक्तदान अवश्य करना चाहिए क्योंकि रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता वह मनुष्य के शरीर में ही बनता है और रक्तदान कर किसी का जीवन बचाया जा सकता है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मनोज ने कहा कि रक्तदान शिविर में लोगों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि गन्नौर के लोग भी इस पुनीत कार्य में भी पीछे नहीं हैं। एनएसएस इंचार्ज डॉ. रेनु शर्मा ने बताया कि 50 छात्राओं का कैम्प गढ़ीकलां गांव में लगा हुआ है जिसका आरंभ 4 मार्च से हुआ था।

बाबा जिन्दा मेला 11 और 12 अप्रैल को

गन्नौर। जिन्दा बाबा मोई माजरी में बाबा जिन्दा मेला 11 व 12 अप्रैल चैत्र शुद्धी चोदृश शुक्रवार को लगेगा मेले की तैयारी को लेकर बाबा जिन्दा नाथ मठ के मठाधीष महन्त बाबा बालक नाथ ने बताया कि मेले में भीड़ को देखते हुए मेला प्रबंधक कमेटी द्वारा अभी से तैयारी शुरू कर दी है। मेले में हरियाणा के अलावा विभिन्न प्रदेशों के श्रद्धालु पहुंचकर माता टेक मन्नत मांगेंगे। पशुओं को बढ़ने के लिए धागे बनाने व अन्य व्यवस्था को लेकर रूपरेखा तैयार की गई है ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो।

स्वस्थ नारी ही समाज की आधारशिला : कुसुम बंसल

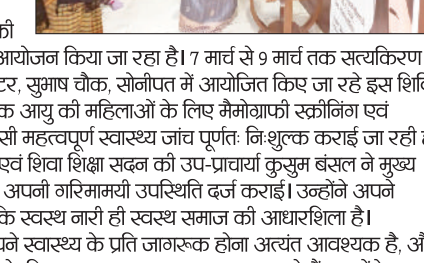

सोनीपत। भारत विकास परिषद की सोनीपत शाखा के तत्वावधान में सत्यकिरण हेल्थकेयर के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय निःशुल्क मैमोग्राफी टेस्ट शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 7 मार्च से 9 मार्च तक सत्यकिरण डायग्नोस्टिक सेंटर, सुभाष चौक, सोनीपत में आयोजित किए जा रहे इस शिविर में 35 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए मैमोग्राफी स्क्रीनिंग एवं एनीमिया टेस्ट जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांच पूर्णतः निःशुल्क कराई जा रही है। वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं शिवा शिक्षा सदन की उप-प्राचार्या कुसुम बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ नारी ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है, और ऐसे आयोजन उनके लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने भारत विकास परिषद एवं सत्यकिरण हेल्थकेयर की इस अद्भुत पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य अभियानों की निरंतरता की आवश्यकता पर बल दिया। शिविर की संयोजिका डॉ. नेहा गुप्ता की देखरेख में 35 वर्ष से ऊपर आयु वाली 100 से अधिक महिलाओं के मैमोग्राफी स्क्रीनिंग एवं एनीमिया टेस्ट निशुल्क किए जा चुके हैं।

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा
कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंगः प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंगः यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंगः हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंगः यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंगः होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंगः रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत
डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

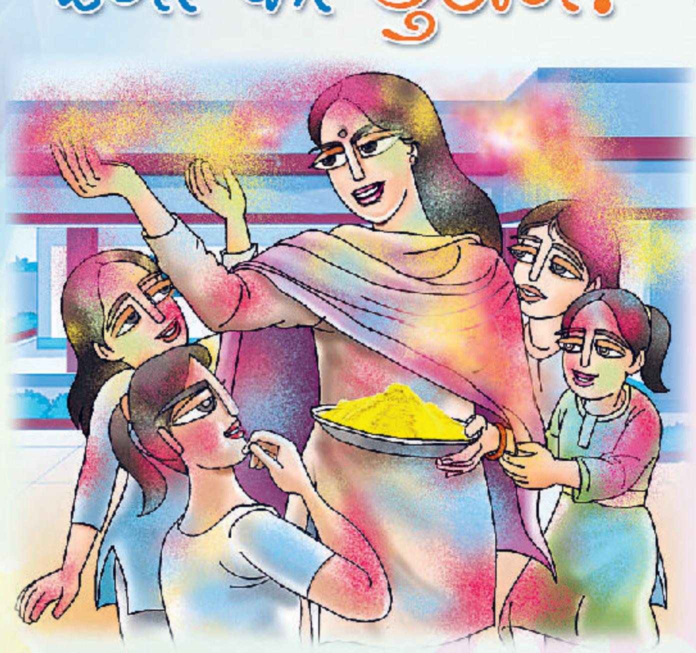

लघुकथा
यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगीली चुटकी
उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से करे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।
कह 'मनमौजी' है वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

रंगबाज दोहे
सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।
मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।
केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।
रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।
सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।
इत्ता-सा वैक्यूम है, बित्ता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।
शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।
कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से ग्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।
तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।
वर की लर्निंग फेलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।
बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंपराओं पर एक नजर।

आदिवासियों की होली में मोहक लोक-संस्कृति के रंग

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होली थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियों पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंस गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुसज्जित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुति: शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप में मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे पर फेंक कर होली खेली जाती है।

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाती है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

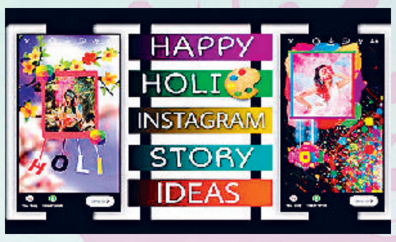

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकरों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *